# इंडिया वार्ता

हिन्दी दैनिक

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम


**आत्मिक वाणी**

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

**कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया भारी .. 8**

वर्ष : 14 अंक : 300 | देहरादून,मंगलवार 01 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08


# महेंद्र भट्ट बने भारतीय जनता पार्टी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष कौन बनेगा लंबे समय से चर्चाओं के केंद्र में बने इस सवाल का जवाब जानने के लिए अब कल तक का भी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि सोमवार को भाजपा मुख्यालय में चली चुनावी प्रक्रिया के तहत निर्धारित समयावधि 4 बजे तक महेंद्र भट्ट के अलावा किसी भी अन्य प्रत्याशी के द्वारा अपना नामांकन पत्र नहीं भरा गया। जिसके कारण यह तय हो गया है कि महेंद्र भट्ट एक बार फिर प्रदेश भाजपा के मुखिया होंगे। महेंद्र भट्ट राज्य के पहले निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष होंगे जिन्हें दूसरे कार्यकाल का मौका मिला है।

महेंद्र भट्ट ने 30 जुलाई 2022 को उत्तराखंड के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाला था। उनको मदन कौशिक के स्थान पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। महेंद्र भट्ट 2002 से 2007 तक नंदप्रयाग विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक रहे। इसके बाद 2007 में उन्हें हार मिली थी. 2017 में उन्होंने बदरीनाथ विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद बीजेपी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। 2 अप्रैल 2024 को बीजेपी ने महेंद्र भट्ट ने उत्तराखंड राज्यसभा सांसद बनाया.बीजेपी के कद्दावर नेता हैं महेंद्र भट्टरू महेंद्र भट्ट उत्तराखंड बीजेपी के कद्दावर और मुखर नेताओं में एक हैं। वो अपने बेलाग बयानों के लिए जाने जाते हैं। इनका जन्म 1971 में सीमांत जिले चमोली के ब्राह्मण थाला में हुआ।


– शेष पृष्ठ 7 पर ...


# मुख्यमंत्री ने किया इसरो और यूकास्ट द्वारा विकसित डैशबोर्ड का शुभारंभ

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसरो और यूकास्ट द्वारा विकसित डैशबोर्ड का शुभारंभ किया तथा इसरो द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए हिमालयी राज्यों के परिप्रेक्ष्य में अंतरिक्ष प्रौघोगिकी एवं अनुप्रयोग अन्तरिक्ष सम्मेलन 2025 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर देश भर से आए वैज्ञानिकों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अंतरिक्ष प्रौघोगिकी अनुसंधान तक सीमित न रहकर संचार, कृषि, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में भारतीय वैज्ञानिक शुभांशु शुक्ला द्वारा तिरंगा फहराने पर इसरो समेत समस्त वैज्ञानिकों को बधाई दी और इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभांशु शुक्ला का मिशन गगनयान व भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चंपावत को मॉडल जिला बनाने के लिए इसरो और यूकास्ट द्वारा विकसित डैशबोर्ड का शुभारंभ किया तथा इसरो द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार विज्ञान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है और प्रदेश में साइंस सिटी, साइंस एवं इनोवेशन सेंटर, एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन व अन्य अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना पर कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्तफ किया कि यह सम्मेलन उत्तराखंड को "स्पेस टेक्नोलॉजी फ्रेंडली स्टेट" बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रदेश के सतत विकास में सहयोगी सिद्ध होगा। इसरो चेयरमैन ने कहा कि एक समय था जब हमारे रॉकेट साइकिल से ले जाए करते थे, पर आज भारत ने कई विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। हमने दुनिया में सबसे पहले चंद्रमा पर पानी के अणु की मौजूदगी का पता से लगाया है। भारत पहला देश है जिसने चंद्रमा के साउथ पोल पर पहली बार लैंड किया है। भारत, आदित्य एलक्1 मिशन के साथ सूर्य का अध्ययन करने वाला चैथा देश बन गया है। भारत ने पहले प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था और मंगल ग्रह की कक्षा में उपग्रह भेजने वाला चैथा देश है। हमारा लक्ष्य 2030 तक


– शेष पृष्ठ 7 पर ...


## सूचना विभाग में 06 कार्मिक हुए पदोन्नत

**महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने दी सभी पदोन्नत कार्मिकों को बधाई।**

**सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में 06 कार्मिकों के पदोन्नति आदेश जारी किये गये ।**

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रधान सहायक श्री प्रशान्त रावत को प्रशासनिक अधिकारी, वैयक्तिक सहायक श्री अंकित कुमार, श्री विजय झिंकवाण, श्रीमती आरती गुणवंत को वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक, वरिष्ठ सहायक श्री मुकेश कुमार को प्रधान सहायक एवं संवीक्षक श्री राजीव कोली को अनुवादक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। महानिदेशक, सूचना श्री बंशीधर तिवारी ने सभी पदोन्नत कार्मिकों बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक अपने पदीय दायित्वों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करे। पदोन्नत हुए कार्मिकों को अपर निदेशक श्री आशिष कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक के.एस.चौहान, डॉ. नितिन उपाध्याय, उप निदेशक श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, रवि बिजारनिया सहित सभी विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की गई है। सूचना कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री कैलाश सिंह रावत एवं महामंत्री श्री अंकित कुमार ने कार्मिकों की पदोन्नति हेतु महानिदेशक सूचना का आभार व्यक्त किया है। श्री रावत ने संघ के सभी पदाधिकारियों की तरफ से पदोन्नत हुए कार्मिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

## चारधाम यात्रा हालात के मुताबिक यात्रा चलाएंगे डीएम, गढ़वाल कमिश्नर ने दिए निर्देश

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है, तो बारिश के रेड अलर्ट के चलते चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। रविवार को मौसम को देखते हुए चार धाम यात्रा पर 24 घंटे की रोक लगाई गई थी। लेकिन सोमवार सुबह 8 बजे रोक हटा दी गई। अब चार धाम यात्रा चल रही है. लेकिन मौसम बिगड़ने, लैंडस्लाइड के हालात में फैसला लेने का अधिकार जिलों के डीएम, एसएसपी को दे दिया गया है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि सोमवार सुबह समीक्षा के बाद दिए फैसला लिया गया। अब जिलों के डीएम हालात के मुताबिक यात्रा चलाएंगे। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि यात्रियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए और मौसम खराब होने पर अगर यात्रा रोकी जाती है, तो यात्रियों के लिए होल्डिंग पॉइंट्स पर रुकने की व्यवस्था की जाए।

# सम्पादकीय

## आध्यात्मिक

भौगोलिक कारणों से सरस्वती वैदिक काल में ही क्षीण होते-होते सूखने भी लगी थी। मान्यता है कि उद्गम स्थल से सरस्वती का जल यमुना ने ही सबसे अधिक कर्षित किया। इसी कारण यह मान्यता बनी कि यमुना नदी उत्तराखंड के यमुनोत्री से निकलकर ब्रजमंडल से होते हुए प्रयागराज में संगम पर गुप्त रूप से बह रही सरस्वती और गंगा के साथ मिलती है।पौराणिक व संहिता ग्रन्थों में भी यमुनादि नदियों के धार्मिक- आध्यात्मिक व अन्य महत्व के सम्बन्ध में विशद वर्णन अंकित हैं। शिव के कारण यमुना का जल श्यामवर्ण होने के सम्बन्ध में वामन पुराण में एक कथा अंकित है। कथा क अनुसार अपने पिता दक्ष द्वारा आयोजित यज्ञ में अपने पति शिव की उपेक्षा एवं तिरस्कार से आहत सती के योगाग्नि द्वारा भस्मीभूत हो जाने पर व्यग्र शिव यमुना-जल में कूद पड़े। इससे यमुना कृष्णवर्णा (कृष्णा) हो गईं। श्रीकृष्ण अवतार में श्रीकृष्ण ने अपने जन्म दिन भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की रात्रि को ही यमुना नदी पार की थी। और श्रीकृष्ण के भाई ने यमुना नदी को अपने हल से दो भागों में बांट दिया था। इसलिए बलराम का नाम यमुना भेद पड़ा। एक अन्य मान्यतानुसार श्रीराधा-माधव के जलविहार से श्रीराधा के तन में लिप्त कस्तूरी घुलकर यमुना जल को श्यामल कर रही है। यह भी मान्यता है कि श्यामसुंदर के यमुना में अवगाहन करने से उनका श्यामवर्ण हो गया। भारत में श्रीकृष्ण ब्रज संस्कृति का जनक कहे जाते हैं, तो यमुना को ब्रज संस्कृति की जननी मानी जाती है। यमुना सत्यरूप में ब्रजवासियों की माता है। यही कारण है कि सम्पूर्ण ब्रज क्षेत्र में इन्हें यमुना मैया कहा जाता है। गर्ग संहिता के अनुसार गोलोक में श्रीकृष्ण ने राधा से भूतल पर अवतरित होने का आग्रह किया था। इस पर राधा ने प्रत्युत्तर में कहा कि जहाँ वृंदावन, यमुना व गोवर्धन न हो, वहाँ जाकर सुखानुभूति कैसे सकती है? तब श्रीकृष्ण ने सबको ब्रजमंडल में अवतरित कराया।

# न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः। काकः सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें

**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

गोंदिया -सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख़ योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना!मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत "जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं" अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है।

साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते। जो सूर्य की तरह प्रखर है, उस पर निंदा के कितने ही काले बादल छा जाएं किन्तु उसकी प्रखरता, तेजस्विता और ऊष्णता में कमी नहीं आ सकती।

साथियों बात अगर हम खुद का आंकलन दूसरों से सर्वश्रेष्ठ करने की करें तो, अपनी प्रशंसा तथा दूसरों की निंदा असत्य के समान है। जैसे हमारी आंखें चंद्रमा के कलंक तो देख लेती हैं , किंतु अपने काजल को नहीं देख पातीं। उसी प्रकार हम दूसरों के दोषों को देखते हैं , हालांकि खुद अनेक दोषों से भरे हैं। दूसरों में जो दोष दिखाई देते हैं , सचमुच उनका कारण हमारे अपने चित्त की दूषित वृत्तियां ही है। दूसरों की निंदा किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं होती। इस संबंध में एक कवि ने लिखा भी है कि हमें परखने का तरीका नहीं है। कोई वरना दुश्मन किसी का नहीं है। निंदक को यह याद रखना चाहिए कि दुनिया तुझे हजारों आंखों से देखेगी , जबकि तू दुनिया को दो ही आंखों से देख सकेगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों पर एक उंगली उठाने की करें तो, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे के दोषों पर उंगली उठाता है , तो उसे याद रखना चाहिए कि पीछे की और मुड़ी उसकी तीन उंगलियां पहले उसी की ओर संकेत कर रही होती हैं। निंदा- चुगली व्यर्थ ही है। इससे परस्पर वैमनस्य , कटुता और संघर्ष बढ़ते हैं। इसीलिए कहा है कि दूसरों के कृत्याकृत्यों को न देखो , केवल अपने ही कृत्यों का अवलोकन करो। यूं तो लोग चुप रहने वाले की निंदा करते हैं। बहुत बोलने वाले की निंदा करते हैं ,मातृ भाषी की निंदा करते हैं , संसार में ऐसा कोई नहीं है , जिसकी निंदा न होती हो, इसीलिए कहा है- जैसी जाकी बुद्धि है , तैसी कहै बनाय। ताको बुरा न मानिए , लेन कहां यूं जाए। % केवल दूसरों द्वारा अपनी निंदा सुनकर मनुष्य अपने को निंदित न समझें , वह अपने आप को स्वयं ही जाने , क्योंकि लोक तो निरंकुश है , जो चाहता है सो कह देता है। द्वेषी गुणं न पश्यति , दोषी गुणों को नहीं देखता।

साथियों बात अगर हम पर निंदा में आनंद की करेंतो परनिंदा में प्रारंभ में काफी आनंद मिलता है लेकिन बाद में निंदा करने से मन में अशांति व्याप्त होती है और हम हमारा जीवन दु:खों से भर लेते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना अलग दृष्टिकोण एवं स्वभाव होता है। दूसरों के विषय में कोई अपनी कुछ भी धारणा बना सकता है। हर मनुष्य का अपनी जीभ पर अधिकार है और निंदा करने से किसी को रोकना संभव नहीं है। न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।। अर्थ-लोगों की निंदा (बुराई) किये बिना दुष्ट (बुरे) व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है परंतु गंदगी के बिना उसकी संतुष्टि नहीं होती, लोग अलग-अलग कारणों से निंदा रस का पान करते हैं। कुछ सिर्फ अपना समय काटने के लिए किसी की निंदा में लगे रहते हैं तो कुछ खुद को किसी से बेहतर साबित करने के लिए निंदा को अपना नित्य का नियम बना लेते हैं। निंदकों को संतुष्ट करना संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम निंदा पर वैश्विक विचारों की करें तो, महात्मा गांधी ने भी कहा है कि दूसरों के दोष देखने की बजाय हम उनके गुणों को ग्रहण करें। दूसरों की निंदा अश्रेयस्कारी है। निंदा करने व सुनने में व्यक्ति प्रायः आनंद लेता है। जबकि निंदा सुनना व निंदा करना, दोनों ही विषय है। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने तो कहा है % सपनेहां नहिं देखा परदोषा!अर्थात् स्वप्न में भी पराये दोषों को न देखना। भगवान बुद्ध ने कहा है , जो दूसरों के अवगुणों की चर्चा करता है , वह अपने अवगुण प्रकट करता है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि किसी की निंदा करना पीठ का मांस खाने के बराबर है। विधाता प्रायः सभी गुणों को किसी एक व्यक्ति या एक स्थान पर नहीं देता है। ईसा मसीह ने कहा था ,लोग दूसरों की आंखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आंख के शहतीर को नहीं देखते। हेनरी फोर्ड ने कहा कि मैं हमेशा दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं। हमारी सद्भावना या दुर्भावना ही किसी को मित्र या शत्रु मानने के लिए बाध्य करती है।सद्भावना अनुकूल स्थिति के कारण होती है और दुर्भावना प्रतिकूल स्थिति के कारण होती है। लोगों के छिपे हुए ऐब जाहिर मत करो। इससे उसकी इज्जत तो जरूर घट जाएगी, मगर तेरा तो ऐतबार ही उठ जाएगा।

साथियों बात अगर हम दूसरों के दोष ढूंढना, निंदा करना मानवीय स्वभाव की करें तो, दूसरों की निंदा करना। सदैव दूसरों में दोष ढूंढते रहना मानवीय स्वभाव का एक बड़ा अवगुण है। दूसरों में दोष निकालना और खुद को श्रेष्ठ बताना कुछ लोगों का स्वभाव होता है। इस तरह के लोग हमें कहीं भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रतिवाद में व्यर्थ समय गंवाने से बेहतर है अपने मनोबल को और भी अधिक बढ़ाकर जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहें। ऐसा करने से एक दिन आपकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी और आपके निंदकों को सिवाय निराशा के कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। इसलिए सब तरफ गुण ही ढूंढने की आदत डालो। देखो कितना आनंद आता है। दुनिया में पूर्ण कौन है हरेक में कुछ न कुछ त्रुटियां रहती हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि न विना परवादेन रमते दुर्जनोजनः। काकःसर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।।आओ निंदा त्यागने का संकल्प लें हम एक उंगली दूसरों पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे तरफ उठती है इसको रेखांकित करना ज़रूरी है हम खुद का आंकलन दूसरे से सर्वश्रेष्ठ करने की चूक से बचें, स्वयं का छोटा कहलानें वाले व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ गुणवान होतें है।

# जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

**संपर्क करें**
**संपादक**
**दैनिक इंडिया वार्ता**
**प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून ( उत्तराखण्ड )**
**मोबाईल न.**- 7500581414,9359555222
**Email: indiawarta@gmail.com**

# पिटकुल कार्मिकों द्वारा पिटकुल मुख्यालय में सेवानिवृत्ति कार्यक्रम किया गया अयोजित

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** श्री डी0सी0 पाण्डे, मुख्य अभियन्ता एवं अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर प्रबन्ध निदेशक, पिटकुल श्री पी0सी0 ध्यानी की गरिमामय उपस्थिति में पिटकुल कार्मिकों द्वारा पिटकुल मुख्यालय, विद्युत भवन में सेवानिवृत्ति कार्यक्रम अयोजित किया गया। पिटकुल परिवार से आज दिनांक 30.06.2025 को दो अधिकारी सर्व श्री डी0सी0 पाण्डे, मुख्य अभियन्ता एवं श्री अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

इस अवसर पर पिटकुल परिवार के प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी जी की गरिमामय उपस्थिति में उक्त कार्मिकों को उनके सम्मान सहित विदाई देने पिटकुल मुख्यालय विद्युत भवन में सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पिटकुल मुख्यालय में कार्यरत कार्मिक उपस्थित हुये। इसके साथ ही सम्पूर्ण प्रदेश में स्थापित पिटकुल के विभिन्न कार्यालयों मे कार्यरत कार्मिक भी उक्त सम्मान कार्यक्रम में ऑन लाईन जुड़कर उपस्थित हुये।

सर्वप्रथम प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी एवं निदेशक परिचालन श्री जी0एस0 बुदियाल द्वारा श्री डी0सी0 पाण्डे, मुख्य अभियन्ता एवं श्री अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। इसके पश्चात पिटकुल मुख्य अभियन्ता श्री ईला चन्द, श्री कमल कान्त, श्री अनुपम सिंह, श्री जितेन्द्र चर्तुवेदी, कम्पनी सचिव, श्री अरूण सभरवाल, अधीक्षण अभियन्ता, श्री अविनाश चन्द्र अवस्थी, श्री पंकज कुमार, श्री राजकुमार, उपमहाप्रबन्धक (वित्त) श्रीमती शालू जैन, उपमहाप्रबन्धक (मा0सं0), श्री विवेकानन्द, सहायक अभियन्ता श्रीमती रीनू जोशी भारद्वाज, लेखाकार, श्रीमती वनीता पटवाल इत्यादि कार्मिकों द्वारा दोनो अधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

तदोपरान्त श्री एस0पी0 आर्य, अधीक्षण अभियन्ता द्वारा श्री डी0सी0 पाण्डे, मुख्य अभियन्ता एवं श्रीमती वनीता पटवाल द्वारा श्री अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी का अभिनन्दन पत्र पढा गया, जिसको प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा दोनों अधिकारियों को सौंपा गया।

इस अवसर पर श्री अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी द्वारा अपने संस्मरणों को साझा करते हुये अवगत कराया गया कि प्रबन्ध निदेशक महोदय के मार्गदर्शन एवं उनसे प्रेरित होकर वित्त विभाग के कार्यों यथा सातवें वेतन आयोग के फिक्सेशन कार्य, अधिकारियों के अवकाश, वार्षिक वेतन वृद्धि एवं कार्मिकों के सेवानिवृत्तिक प्रकरणों तथा सेवानिवृत्त कार्मिकों के वन रैंक वन पेन्शन सम्बन्धी प्रकरणों को समय से शत-प्रतिशत पूर्ण किया गया, जिसमें उनकी पूरी टीम की मेहनत एवं लगन तथा महाप्रबन्धक (वित्त)/उपमहाप्रबन्धक (वित्त) का भी पूर्ण सहयोग रहा। इसके उपरान्त श्री डी0सी0 पाण्डे, मुख्य अभियन्ता द्वारा अपने संस्मरणों को साझा करते हुये अवगत कराया गया कि प्रबन्ध निदेशक महोदय के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्दशों में उनके द्वारा रूद्रपुर एवं लालकुआं रेलवे ट्रैक्शन सबस्टेशन हेतु विद्युतीकरण, 220 के0वी0 जाफरपुर-रूद्रपुर रेल लाईन एवं 132 के0वी0 पिथौरागढ़-लोहाघाट लाइन के विद्युतीकरण तथा 220 के0वी0 उपकेन्द्र, बरम, पिथौरागढ का विद्युतीकरण कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण किया गया, जिससे कारपोरेशन को भविष्य में लाभ प्राप्त होगा। उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि कुमायूँ क्षेत्र में वर्तमान में गतिमान कई परियोजनाएं अति दुर्गम क्षेत्र में स्थित हैं, जिनके स्थल पर प्रबन्ध निदेशक स्वयं कई-कई किलोमीटर पैदल ही उनके साथ गये, जिनमें से एक परियोजना स्थल थल-नाचनी में स्थित है। प्रबन्ध निदेशक महोदय से प्रेरणा लेकर ही उनके द्वारा कुमायूँ क्षेत्र की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक समय से पूर्ण किया गया।

इसके साथ ही उनके द्वारा पिटकुल में बनाये गये उपकेन्द्रों लाइनों एवं अन्य परियोजनाओं के सम्बन्ध में बताया गया तथा परिचालन एवं अनुरक्षण इकाईयों में उनके द्वारा किये गये कार्यों को भी साझा किया गया। इस अवसर पर श्री प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा दोनों अधिकारियों के साथ अपने संस्मरणों को साझा करते हुये अवगत कराया कि किस प्रकार देश के यशवस्वी, दूरदृष्टा एवं ऊर्जावान एवं जन-नायक मा0 प्रधानमंत्री जी की बहुप्रतीक्षित एवं प्रदेश के युवा, ऊर्जावान, जुझारू, हृदय सम्राट मा0 मुख्यमंत्री जी की रेखांकित रूद्रपुर एवं लालकुआं रेलवे ट्रैक्शन सबस्टेशन के विद्युतीकरण कार्य हो अथवा 220 के0वी0 जाफरपुर-रूद्रपुर रेल लाईन एवं 132 के0वी0 पिथौरागढ़-लोहाघाट लाइन के विद्युतीकरण तथा 220 के0वी0 उपकेन्द्र, बरम, पिथौरागढ का विद्युतीकरण कार्य हो श्री डी0सी0 पाण्डे जी के द्वारा सभी कार्यों को पूर्ण मनोयोग, लगन एवं मेहनत से नियत समय पर पूर्ण किया गया, जिस हेतु प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा कारपोरेशन के समस्त कार्मिकों को बधाई भी दी गयी।

इस प्रकार प्रबन्ध निदेशक द्वारा श्री अजय कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी के साथ उनके संस्मरणों को याद करते हुये अवगत कराया गया कि श्री शर्मा जी द्वारा अपनी लगन मेहनत एवं अथक प्रयासों से कार्मिकों के सातवें वेतन आयोग के फिक्सेशन कार्य, अधिकारियों के अवकाश, इन्क्रीमेन्ट, एवं कार्मिकों के सेवानिवृत्तिक प्रकरणों तथा सेवानिवृत्त कार्मिकों के वन रैंक वन पेन्शन सम्बन्धी प्रकरणों को समय से शत-प्रतिशत पूर्ण किया गया।

इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी द्वारा दोनो अधिकारियों को शॉल उढाकर तथा अवकाश नगदीकरण का चैक एवं उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया गया तथा भविष्य हेतु उनके एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के निरोग एवं लम्बी आयु की कामना की गयी। इसके साथ ही सभी कार्मिकों से आह्वाहन भी किया गया कि दोनो अधिकारियों की भांति वह भी मेहनत, कर्मठता, ईमानदारी, लगन, निष्ठा और मनोयोग से कारपोरेशन के कार्यों को पूर्ण करें।

इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक, पिटकुल, श्री पी0सी0 ध्यानी जी के साथ ही निदेशक परिचालन श्री जी0एस0 बुदियाल, महाप्रबन्धक (वित्त) श्री मनोज कुमार, अधीक्षण अभियन्ता श्री अविनाश अवस्थी, श्री राकेश कुमार, अधिशासी अभियन्ता श्री पंकज कौशिक, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री तरूण सिंघल द्वारा अपने विचार रखे गये एवं मंच का सफल संचालन श्री विवेकानन्द, उपहाप्रबन्धक (मा0सं0) द्वारा किया गया।

# एडवांस मोबाइल फोरेंसिक वैन से होगा घटना स्थल से भौतिक साक्ष्यों का संकलन

**एडवांस क्राइम किट के माध्यम से भौतिक साक्ष्यों के संकलन की जानकारी हेतु पुलिस लाइन में किया गया कार्यशाला का आयोजन**

**विधि विज्ञान प्रयोगशाला से आये वैज्ञानिक/विशेषज्ञों द्वारा पुलिसकर्मियों को एडवांस क्राइम किट की जानकारी देते हुए भौतिक साक्ष्यों के संकलन का दिया गया प्रशिक्षण**

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** किसी अपराध के घटित होने पर घटना स्थल से भौतिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखकर उनके संकलन हेतु प्रत्येक थाने पर ऑल परपज क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन किट उपलब्ध कराई गई है। उक्त सम्बन्ध में पुलिस कर्मियों को साक्ष्यों के सुरक्षित रूप से भौतिक संकलन की जानकारी देने हेतु आज दिनांक= 30-06-25 को पुलिस लाइन देहरादून में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान फौरेन्सिक साइंस लैब से आये वैज्ञानिक/विशेषज्ञों की टीम द्वारा उपस्थित पुलिस कर्मियों को घटना स्थल को सुरक्षित करते हुए क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन किट के माध्यम से भौतिक साक्ष्यों के संकलन के तरीके, उनके सीलिंग की कार्यवाही, नारकोटिक्स मामलों में ड्रग डिटैक्शन की कार्यवाही तथा घटना स्थल से फिंगर प्रिंट, फुट प्रिट व अन्य आवश्यक साक्ष्यों को संकलित करने के तरीकों की जानकारी देते हुए उसका प्रशिक्षण करवाया गया। कार्यशाला के दौरान जनपद को आवंटित की गई एडवांस मोबाइल फॉरेंसिक वैन के सम्बन्ध में भी उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को जानकारी देते हुए मोबाइल फोरेंसिक वैन के माध्यम से भी घटना स्थल से भौतिक साक्ष्यों के संकलन की कार्यवाही का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित पुलिसकर्मियों को क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन किट का इस्तेमाल करते हुए अधिक से अधिक भौतिक साक्ष्यों के संकलन तथा प्रत्येक घटना स्थल पर मोबाइल फौरेंसिक वैन के माध्यम से ही साक्ष्यों को संकलन करने के निर्देश दिये गये।

# अब विवेचक पहनेंगे कैमरे

**बॉडी वार्न कैमरों के प्रशिक्षण हेतु पुलिस लाइन देहरादून में किया गया कार्यशाला का आयोजन**

**घटना स्थल से साक्ष्य संकलन अथवा विवेचना के दौरान बॉडी वार्न कैमरों की उपयोगिता के सम्बन्ध में दी जानकारी।**

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** आज दिनांक- 30/06/2025 को पुलिस लाइन देहरादून में बॉडी वार्न कैमरों के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान उपस्थित पुलिस कर्मियों को बॉडी वार्न कैमरों की उपयोगिता एंव उपयोग करने के तरीकों के समबन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के दौरान सभी पुलिसकर्मियों को बताया गया कि किस प्रकार बॉडी वार्न कैमरे पुलिस की कार्यप्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बॉडी वार्न कैमरों से जहां एक तरफ पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढेगी, वहीं दूसरी ओर उक्त कैमरे किसी घटना के घटित होने पर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही के लिये सहायक सिद्ध होगें। इसके अतिरिक्त विवेचना के दौरान गवाहों के बयानों तथा घटना स्थल के निरीक्षण में भी बॉडी वार्न कैमरे एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

# 50 साल बाद भी 'संविधान' को कूड़ेदान में फेंकने की आदत से बाहर नहीं निकल पाया विपक्ष : सुधांशु त्रिवेदी

**नई दिल्ली,एंजेंसी।** भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए। लेकिन, बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडी गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

उन्होंने आगे कहा, वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी यादव द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरान में %वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मुल्लाओं और मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना, देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना, और फिर भी, आप कहते हैं, संग्रह करो? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। इनका विचार संविधान की सीमा को तार-तार करना है। यह चंद मुट्ठी भर मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं। यह लोग जयप्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर को नहीं मानते हैं। आज राजग और समाजवादी पार्टी जैसे दल नमाजवाद के साथ खड़े रहते हैं।

भाजपा सांसद ने कहा, अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन वे बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। याद रखें कि भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, वो भी 1985 में, और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। वे पिछड़े, वांछित, का आरक्षण भी यह खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एससी/एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने कहा, 2012 और 2014 में माइनॉरिटी संस्थाओं को दर्जा दिया गया। तेलंगाना और कर्नाटक में मुस्लिम को ओबीसी में शामिल किया गया है। बंगाल में भी यही हो रहा है। तर्क यह दिया गया कि यह मुस्लिम पहले ओबीसी हिंदू समुदाय से थे और बाद में यह कन्वर्ट हुए, इसलिए इन्हें ओबीसी में डाला गया है। इंडी गठबंधन के सपनों को हम साकार नहीं होने देंगे। देश का विधान बाबा साहेब के संविधान से चलेगा। कांग्रेस और राजद दोनों मिलकर बाबा साहेब के संविधान को खत्म करना चाहते हैं।

## कोलकाता गैंगरेप केस : टीएमसी ने मदन मित्रा को थमाया कारण बताओ नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

**कोलकाता,एंजेंसी।** कोलकाता के लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले पर विवादित बयान को लेकर घिरे टीएमसी नेता मदन मित्रा की मुश्किलें थमती नजर नहीं आ रही हैं। टीएमसी ने मदन मित्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया और कहा कि उनका यह बयान पार्टी के कठोर रुख के खिलाफ है।

पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने कहा, कोलकाता शहर में एक लॉ स्टूडेंट के साथ बहुत ही जघन्य और अत्यंत दुखद घटना घटी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने दुखद और क्रूर यातना की इस अत्यंत संवेदनशील घटना पर दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की है। प्रशासन आवश्यक कार्रवाई कर रहा है और दोषियों की त्वरित पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

सुब्रत बख्शी ने मदन मित्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए आगे कहा, इस मामले में 28 जून 2025 को आपके (मदन मित्रा) द्वारा किया गया अनुचित, अनावश्यक और असंवेदनशील बयान पार्टी की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है। साथ ही, आपका यह बयान पार्टी के कठोर रुख के खिलाफ है। पार्टी अनुशासन भंग करने के इस व्यवहार के लिए आपको अगले तीन दिनों के भीतर कारण बताने का निर्देश दिया जाता है। बता दें कि टीएमसी नेता मदन मित्रा ने कोलकाता के कॉलेज परिसर में एक लॉ स्टूडेंट के साथ कथित बलात्कार पर विवादास्पद टिप्पणी की थी।

मित्रा ने अपने बयान में दावा किया कि बलात्कार की घटना ने सभी लड़कियों को यह संदेश दिया है कि उन्हें कॉलेज बंद होने पर कॉलेज नहीं जाना चाहिए।

हालांकि, पार्टी ने मदन मित्रा के इस बयान की निंदा की और कहा, ये विचार किसी भी तरह से पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। हमारा रुख दृढ़ है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति हमारी शून्य सहिष्णुता है और हम इस जघन्य अपराध में शामिल सभी लोगों के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग करते हैं।

## एंटी-एजिंग दवाएं बनीं मौत की वजह? शेफाली जरीवाला केस में बड़ा खुलासा

**मुंबई ,एंजेंसी।** अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की मौत के मामले में पुलिस जांच में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। जांच में पता चला है कि शेफाली पिछले सात से आठ सालों से नियमित रूप से एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन कर रही थीं। 27 जून को उनके घर में पूजा का आयोजन था, जिसके कारण शेफाली व्रत पर थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने उसी दिन दोपहर में एंटी-एजिंग दवा का इंजेक्शन लिया था। यह दवाएं उन्हें वर्षों पहले एक डॉक्टर की सलाह पर दी गई थीं, और तब से वह हर महीने यह ट्रीटमेंट लेती आ रही थीं। पुलिस को इस बात का संदेह है कि उनकी अचानक मृत्यु का एक बड़ा कारण यह दवाएं भी हो सकती हैं, जिसके चलते कार्डियक अरेस्ट हुआ।

घटना के समय रात लगभग 10 से 11 बजे के बीच शेफाली की तबीयत अचानक बिगड़ी, उनका शरीर कांपने लगा और वह बेहोश होकर गिर गईं। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फॉरेंसिक टीम ने उनके घर से अलग-अलग तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें एंटी-एजिंग वायल्स, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल हैं। अब तक पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकर और बेलेव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं।

जांच के दौरान किसी प्रकार के विवाद या झगड़े के कोई संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और दवाओं की लैब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही हैं, ताकि मौत के असली कारणों का पता लगाया जा सके। इस मामले में जांच जारी है और जल्द ही इस पर पूरी रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है। बता दें कि शेफाली को गुरुवार देर रात 27 और 28 जून के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ। इसके बाद पति पराग त्यागी और तीन अन्य लोग उन्हें मुंबई के बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दें कि शेफाली जरीवाला ने 2002 में 1972 की फिल्म समाधि' के क्लासिक लता मंगेशकर के गाने के रीमिक्स कांटा लगा' की जबरदस्त सफलता के साथ अपनी पहचान बनाई थी। इस गाने की वजह से वह कांटा गर्ल' के नाम से मशहूर हुई।

## मां की शर्मनाक करतूत, बेटी को देती संबंध बनाने की ट्रेनिंग

नई दिल्ली । बेंगलुरु में एक शर्मनाक कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां, एक मां अपनी बच्ची का यौन उत्पीड़न करती रही। छात्रा ने आरोप लगाया कि उसकी मां, उसे सेक्स करने की ट्रेनिंग देती है। छात्रा ने बताया कि उसकी मां कहती हैं कि यह ट्रेनिंग शादी के बाद पति के साथ संबंध बनाने में काम आएगी। हालांकि महिला अपने बेटी के इन आरोपों से इनकार किया है। अब पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक यह छात्रा नॉर्थ बेंगलुरु के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती है।

# "विचार एक नई सोच" के रक्तदान शिविर में हुआ कुल 216 यूनिट रक्तदान

## रक्तदाता शिरोमणि डॉ0 अनिल वर्मा सहित 21 समाजसेवी हुए सम्मानित

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** उत्तराखंड के पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए समर्पित सामाजिक संगठन "विचार एक नई सोच" द्वारा मोथरोंवाला रोड स्थित अमोलाज रेस्टोरेंट के सभागार में विभिन्न 17 संस्थाओं एवं गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य संवाद, रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह में कुल 216 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर 155 बार रक्तदान कर चुके यूथ रेडक्रास सोसायटी के रक्तदाता शिरोमणि अनिल वर्मा सहित 21 समाजसेवियों को प्रेरणादायक उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इनमें रेडक्रास सोसायटी से डॉ0 अनिल वर्मा, पीआरएसआई से अध्यक्ष रवि बिरजानिया, सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश भट्ट, सदस्य वैभव गोयल कुन्ती फाऊंडेशन के दिग्मोहन नेगी, उत्तरांचल प्रेस क्लब अध्यक्ष भूपेंद्र कंडारी, वरिष्ठ पत्रकार राजकिशोर तिवारी, प्रशांत रावत, विजय रावत, अशीष ध्यानी, राजेश बहुगुणा, विनोद मुसान,सुबोध भट्ट, जगनमोहन डांगी, अनुराग शुक्ला, बहादुर,चंद्र एस कैंतुरा , रश् खत्री, योगम्बर पोली, धनराज एवं बीर सिंह पंवार आदि शिविर के मुख्य अतिथि रायपुर क्षेत्र विधायक उमेश शर्मा

काऊ ने कहा कि रक्तदान एक महान् पुण्य का कार्य है। इसमें एक व्यक्ति अपने शरीर का रक्त देकर दूसरों का जीवन सम्मिलित थे ।बचाता है। ऐसा पुनीत कार्य हमें अवश्य करते रहना चाहिए।

अतिविशिष्ट अतिथि अपर सचिव मुख्यमंत्री व सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान की बहुत महत्ता है। मानवता की रक्षा के लिए किया गया रक्तदान सर्वोत्तम दान है। चिकित्सा शिक्षा निदेशक स्वा0 एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड सरकार डॉ0 आशुतोष सयाना ने कहा कि यह सर्वविदित है कि रक्त का मानव रक्त के सिवा कोई भी अन्य विकल्प नहीं है। अत: दूसरों का दु:ख अनुभव करते हुए रक्तदान करने के लिए हमें स्वेच्छापूर्वक आगे आना चाहिए। उन्होंने रक्तदाता शिरोमणि अनिल वर्मा की रक्तदान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान की सराहना करते हुए लोगों से उनसे प्रेरणा लेने की अपील की।

रेडक्रास सोसायटी के प्रबंधन समिति सदस्य रक्तदाता शिरोमणि डॉ0 अनिल वर्मा ने कहा कि रक्त पृथ्वी का सबसे बहुमूल्य तरल है। यह रक्त की कमी से मृतप्राय पड़े व्यक्ति का जीवन बचाने का सबसे सरल माध्यम है। परन्तु भारत में अधिकतर लोग सही जानकारी के अभाव तथा अंधविश्वासों के कारण रक्तदान करने से बचते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि जो लोग नियमित रूप से रक्तदान करते हैं उन्हें 85 त्न कैंसर तथा 90त्न हार्ट अटैक होने की संभावना नहीं रहती। साथ ही बीपी कंट्रोल रहता है। जहां गंदा कोलेस्ट्रॉल एलडीएल कम होता है वहीं अच्छा कोलेस्ट्रॉल एचडीएल बढ़ता है। एक बार रक्तदान करने से 650-700 कैलोरी बर्न होती है जिससे शरीर में जमा फैट कम हो जाता है। बोन मैरो एक्टिवेट होने से शरीर में नये ब्लड सेल्स बनते हैं जो शरीर में नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करते हैं।

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर अध्यक्ष एवं सूचना उपनिदेशक रवि बिरजानिया ने रक्तदान को प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी करार देते हुए कहा कि हमें स्वार्थ को त्यागकर परमार्थ की ओर अग्रसर होना चाहिए। रक्तदान तो समाज सेवा का सबसे सरल माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन के संरक्षक डॉ एस डी जोशी ने कहा कि रक्तदान महाभियान समय की जरूरत है। जब विभिन्न संस्थाओं के एकजुट प्रयास ऐसे परोपकारी कार्य करते हैं तो उसका चार गुना लाभ जरूरतमंदों को मिलता है।

सीआईएमएस कालेज के चेयरमैन ललित जोशी ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है अत: प्रत्येक मनुष्य को दूसरे व्यक्ति के काम आना ही इंसानियत है। सचिव मंडी समिति अजय डबराल ने कहा कि यह सभी जानते हैं कि जान है तो जहान है। और रक्तदान चूंकि लोगों को जीवनदान देता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है । रक्तदान शिविर के कुशल संचालन में संरक्षक अरूण शर्मा , मनोज ईष्टवाल ,जय प्रकाश अमोला उपाध्यक्ष घनश्याम जोशी, मीडिया सचिव शिवराज राणा ने विशेष सहयोग किया द्य संचालन संगठन सचिव राकेश बिजल्वाण, योगम्बर पोली तथा धन्यवाद ज्ञापन संगठन अध्यक्ष अरुण चमोली ने किया।

## मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को वृक्षमित्र डॉ सोनी ने रुद्राक्ष का पौधा उपहार में भेंट कर दी बधाई

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से मुलाकात की और उन्हें उत्तराखंड का मुख्य सचिव बनने पर देववृक्ष रुद्राक्ष का पौधा उपहार स्वरूप भेंट कर बधाई दी और पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व पौधारोपण का संदेश दिया। वृक्षमित्र डॉ सोनी ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से अनुरोध किया कि उत्तराखंड को हरित प्रदेश बनाने के लिए मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत उत्तराखंड के समस्त शासकीय, अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षक शिक्षिकाओं व कार्यालयों के अधिकारियों, कर्मचारियों के माध्यम से एक एक पौधा धरती में दोस्त व मित्र बनाकर लगवाने का सुझाव पत्र दिया। डॉ सोनी के सुझाव पर मुख्य सचिव ने संबंधित को निर्देश को कहा और डॉ सोनी द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

## पॉली किड्स देहरादून स्कूल ने कोयंबटूर में खोली अपनी नई शाखा

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** पॉली किड्स देहरादून स्कूल, जो देहरादून का एक प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान है और जिसकी उपस्थिति देहरादून, ऋषिकेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, आगरा, बहराइच, हरदा, पिपरिया और बेंगलुरु जैसे कई स्थानों में है, अब कोयम्बटूर में एक नई शाखा का शुभारंभ किया है। प्रबंध निदेशक डॉ. अन्नू और आईआईटी खड़गपुर के स्वर्ण पदक विजेता श्री उल्लास ने कोयंबटूर शाखा में एक बेबी शो कार्यक्रम के साथ एक भव्य उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। स्कूल का उद्घाटन पॉलीकिड्स के अध्यक्ष कैप्टन मुकुल महेंद्रू ने किया। बेबी शो में नन्हे-मुन्नों बच्चों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया एवं इसी के साथ ही स्कूल के विस्तार की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। सभी नन्हे-मुन्नों बच्चों ने प्रोग्राम के लिए खूबसूरत कपड़े पहने थे। इस कार्यक्रम में फैशन शो, नृत्य प्रदर्शन बच्चों और माताओं दोनों के लिए आकर्षक खेल शामिल थे। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों और विजेताओं को रोमांचक पुरस्कार मिला एवं प्रोत्साहन के तौर पर प्रवेश शुल्क में छूट दी गई। विजेताओं में से कुछ थे बंडल ऑफ जॉय, समर्थ ने जीता सुन्निएस्ट स्माइल, मीरा प्रभु ने जीता, बेस्ट ड्रेस्ड, युवान सुंदर ने जीता, स्पार्कलिंग आइज इनिला ने जीता, चबी चीक्स तारा गौतम ने जीता घुंघराले बाल, बेस्ट वॉक, स्वस्थ शिशु, फोटोजेनिक किड, राइजिंग स्टार आदि अन्य पुरस्कार भी नन्हे मुन्ने बच्चों के नाम रहा। कार्यक्रम में 100 से अधिक माता-पिता मौजूद रहे। पॉली किड्स देहरादून स्कूल अब पूरे भारत में नए स्थानों पर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। यह विकास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और बच्चों के दिमागों को पोषित करने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। पॉली किड्स स्कूल के अध्यक्ष कैप्टन महेंद्रू ने कहा। बेबी शो एक शानदार सफलता रही और हम अपने छात्रों को मंच पर चमकते ओर चहकते हुए देखकर रोमांचित रहे। इस कार्यक्रम में बच्चों ने न केवल अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया, बल्कि पुरे समूहों को खुशी और सीखने के उत्सव में एक साथ लाया।

## थानाध्यक्ष धौलछीना ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के दृष्टिगत ग्राम प्रहरियों की मीटिंग लेकर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**अल्मोड़ा ।** आज दिनांक 30.06.2025 को थानाध्यक्ष धौलछीना श्री विजय नेगी द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के दृष्टिगत क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों की मीटिंग ली गयी और निम्नांकित निर्देश दिये गये।

1-सभी ग्राम प्रहरियों से गांव के बारें में जानकारी ली गयी।

2-अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियां पायी जाने पर उसकी सूचना तत्काल थाने में देने हेतु निर्देशित किया गया।

3-सभी को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के दृष्टिगत सतर्क करते हुए गांव में रंजिश, आपसी विवाद, लड़ाई-झगड़े आदि की सूचना तत्काल थाने के सूचित करने हेतु बताया गया।

4-यदि कोई गांव नशा सम्बन्धी सामग्री बेचता हो तो उसकी सूचना तत्काल दें।

5-गांवों में नशे की खेती करने वालों की सूचना थाने को देने हेतु बताया गया।

# एली अवराम ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने एक बार फिर अपने सिज़लिंग अवतार से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी एक हॉट तस्वीर शेयर की है जिसमें वह बीच किनारे रेत पर लेटी नजर आ रही हैं. उन्होंने नियॉन ग्रीन कलर का स्विमसूट पहना हुआ है और यह फोटो बेहद ग्लैमरस लग रही है. एली ने इस पोस्ट के साथ लिखा, रविवार का मूड... बिस्तर पर लेकिन मानसिक रूप से समुद्र तट पर, जिससे उनका रिलैक्स और बीची वाइब्स वाला मूड साफ जाहिर होता है. तस्वीर में वह आंखें बंद किए हुए, बेहद सहज और स्टनिंग नजर आ रही हैं. उनका यह फोटो पोस्ट होते ही वायरल हो गया और अब तक इसे 17,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं.

उनकी इस फोटो पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स ने भी तारीफों की बारिश कर दी है. किसी ने उन्हें ?? बताया तो किसी ने मेरा सुंदर कहकर अपना प्यार जताया. इंस्टाग्राम पर यह पोस्ट अब ट्रेंड कर रही है और हर कोई एली की इस अदा का दीवाना हो गया है.

एली अवराम हमेशा ही अपने बोल्ड और एफर्टलेस फैशन स्टेटमेंट से चर्चा में रहती हैं. चाहे रेड कारपेट हो या बीच वकेशन, एक्ट्रेस का हर लुक फैशन गोल्स सेट करता है. उनका ये बीच लुक इस बात का सबूत है कि वह ग्लैमर और ग्रेस का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं. फिलहाल, एली के इस हॉट अवतार को देखकर फैंस उनकी अगली फिल्म या प्रोजेक्ट की झलक देखने के लिए बेसब्र हो गए हैं.

## सविता क्षेत्री बनी हरितालिका तीज उत्सव मेला समिति अध्यक्ष

देहरादून । गोर्खाली महिला हरितालिका उत्सव तीज कमेटी के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले हरितालिका तीज उत्सव मेला आयोजन को लेकर सोमवार को गोर्खाली सुधार सभा भवन गढ़ी कैंट में हरितालिका तीज उत्सव समिति की बैठक हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से सविता क्षेत्री को हरितालिका तीज उत्सव मेला-2025 की आयोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया। इस वर्ष हरितालिका तीज उत्सव मेला रविवार 24 अगस्त को महिंद्रा ग्राउंड गढ़ी कैंट में होगा। मीडिया प्रभारी प्रभा शाह ने बताया कि विगत 18 वर्षों से हरितालिका तीज कमेटी अपनी भाषा, परंम्परा एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन के लिए गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव को एक भव्य मेले के रूप में आयोजित करती आ रही है, जिसमें देश-विदेश के कलाकारों एवं अतिथिगणों को आमंत्रित किया जाता है। इस मेले की भव्यता एवं लोकप्रियता को देखकर हरितालिका तीज उत्सव मेला -2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस आयोजन को राज्य मेले का दर्जा देने की घोषणा की थी,

## धामी देंगे खिलाड़ियों को सौगात, और फलेंगे फूलेंगे खेल

### आठ शहरों में 23 अकादमी और विश्वविद्यालय निर्माण पर तेजी से आगे बढ़ रही बात

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने कार्यकाल के पांचवें साल में खेल-खिलाड़ियों को सौगात देने जा रहे हैं। सौगात भी एक नहीं, बल्कि दो-दो। इनमें पहली सौगात हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय के निर्माण से जुड़ी है, जिसके खेल दिवस पर शिलान्यास की तैयारी है। दूसरी सौगात, प्रदेश के 23 खेल अकादमी खोलने से जुड़ी हैं। राष्ट्रीय खेलों के दौरान देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी समेत जिन आठ शहरों में खेल गतिविधियां संचालित हुईं और आधारभूत ढांचा तैयार हुआ, वहीं पर ये अकादमी खोली जाएंगी। इसके दो फायदे होंगे। एक, खेल के लिए तैयार बुनियादी ढांचे का बेहतर रख-रखाव हो सकेगा। दो, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए ठोस प्लेटफार्म तैयार हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल के चैथे साल में उत्तराखंड ने खेल की दुनिया में ऊंची छलांग लगाई है। राष्ट्रीय खेलों का भव्य आयोजन से उत्तराखंड की खेलों की दुनिया में हैसियत बढ़ गई है। खेल के शानदार माहौल को अपने कार्यकाल के पांचवें साल में भी बनाए रखने के प्रति मुख्यमंत्री गंभीर है। इसी लिए चाहे हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय का निर्माण हो या फिर आठ शहरों में 23 खेल अकादमी खोलने की बात, दोनों विषयों पर पर्याप्त तेजी दिखाई दे रही है। खेल विश्वविद्यालय की तो बकायदा अधिसूचना जारी हो चुकी है। इसी तरह, 23 अकादमी भी सरकार खोलने जा रही हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को अमली जामा पहनाने के लिए तेजी से काम चल रहा है।

**दो कदम, जिनसे गूंजा यश गान**

**01-38 वें राष्ट्रीय खेल**

-उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड की धरती पर 38 वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन धामी सरकार की सबसे बड़ी खेल उपलब्धि रही। भव्य आयोजन हुआ और हमारे खिलाड़ियों ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गोवा में पिछले राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने सिर्फ 24 पदक जीते थे, लेकिन इस बार उसने पदकों का शतक लगाकर तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन से खेल सुविधाओं का विस्तार हुआ और ऐसा आधारभूत ढांचा उपलब्ध हो गया, जो कि खेल के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

**02-नई खेल नीति**

-वर्ष 2021 में घोषित नई खेल नीति में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन पर खास फोकस किया गया। ओलंपिक के पदक विजेताओं के लिए एक से लेकर दो करोड़ तक की प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था की गई है। अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि दुगना हुई है और छात्रवृत्ति भी दी जा रही है। इस नीति की यह भी आकर्षक बात है कि बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने मात्र से खिलाड़ी प्रोत्साहन राशि का हकदार हो जा रहा है। फिर चाहे उसे पदक मिले या ना मिले।

उत्तराखंड को खेल भूमि के रूप में भी जाना जा रहा है, यह हमारे लिए सुखद अहसास है। राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजन के बाद प्रदेश में खेल का बेहतर माहौल है। खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा है और वे बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। खेल-खिलाड़ियों के विकास के लिए बड़े निर्णय लेने और उन्हें अमली जामा पहनाने का क्रम जारी रहेगा। पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

## अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद ने किया कर्नल अजय कोठियाल व नमिता ममगाईं का सम्मान

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद द्वारा ओएसिस विद्यालय रायपुर, देहरादून में आयोजित समारोह में प्रदेश सरकार द्वारा मनोनीत राज्यमंत्री कर्नल अजय कोठियाल और बाल सुधार समिति में मानद सदस्य नमिता ममगाईं का सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता परिषद के देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष आई जी एस एस कोठियाल ने की। समारोह में विशेष अतिथि के रुप में अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद उत्तराखंड चैप्टर के अध्यक्ष राजीव बैरी, उपाध्यक्ष भट्ट, मधु बैरी समाजसेवी राकेश ओबराय, डी एस मान आदि उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष कवयित्री डौली डबराल ने काव्यात्मक शैली में परिषद के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष अशोक शर्मा ने वियतनाम, कम्बोडिया, बाली,मारीशस, बांग्लादेश सहित सिक्किम, बनारस, गुजरात और अयोध्या यात्रा का प्रभावी वर्णन प्रस्तुत किया। समारोह में पूनम,राजेश गोयल, पुष्पा भल्ला सहित अनेक महिलाओं ने गीत और कविताएं प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। समारोह का संचालन अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद देहरादून चैप्टर के महासचिव आदेश शुक्ला ने किया।

# अघोषित आपातकाल की ओर बढ़ती उत्तराखंड भाजपा : गरिमा मेहरा दसौनी

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चल रही गहमागहमी के बीच कांग्रेस ने सत्तारूढ़ दल पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने महेंद्र भट्ट को पुनः प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चल रही तैयारियों को 'अघोषित आपातकाल' करार दिया है, और आरोप लगाया है कि भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र दम तोड़ रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय में नामांकन प्रक्रिया के दौरान महेंद्र भट्ट द्वारा ही एकमात्र नामांकन दाखिल किया गया। इस दौरान स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति ने इस बात को बल दिया कि यह महज एक औपचारिकता है और निर्णय पहले ही लिया जा चुका है।

कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने इस घटनाक्रम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "यह स्थिति अघोषित आपातकाल जैसी है, जहाँ अन्य दावेदार नेताओं को 'बिलों में छिपा रहने' का अप्रत्यक्ष आदेश दे दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महेंद्र भट्ट के अलावा भाजपा में कोई अन्य योग्य और अनुभवी नेता नहीं है। दसौनी ने हल्द्वानी के महापौर गजराज बिष्ट, विधायक खजानदास, महामंत्री आदित्य कोठारी, उपाध्यक्ष ज्योति गैरोला जैसे नामों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनकी चर्चा थी, लेकिन मुख्यमंत्री की मौजूदगी के बाद सब कुछ औपचारिक बनकर रह गया।

दसौनी ने भाजपा के 'एक पद, एक व्यक्ति' के सिद्धांत को तोड़ने पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले 2012 से 2017 के बीच अजय भट्ट नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की दोहरी भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने पूछा कि क्या यह भाजपा में प्रतिभा और योग्य नेताओं की कमी को उजागर नहीं करता?

महेंद्र भट्ट के पूर्व कार्यकाल को 'विफल और विवादित' बताते हुए गरिमा दसौनी ने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन पूरी तरह दिशाहीन रहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं में अनुशासनहीनता बढ़ने का आरोप लगाते हुए मंडल अध्यक्षों के नाबालिगों से दुष्कर्म, मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा पहाड़वासियों को गाली देने का प्रकरण, भर्ती घोटाले, प्रणव सिंह की बदजुबानी, और हरिद्वार की महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष की 'काली करतूतें' जैसी घटनाओं का जिक्र किया। दसौनी ने आरोप लगाया कि प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर महेंद्र भट्ट कार्यकर्ताओं और नेताओं पर नकेल कसने में पूरी तरह असफल रहे और केवल मुख्यमंत्री के नाम का ढोल पीटने तक सीमित रहे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे व्यक्ति को दोबारा अध्यक्ष बनाए जाने की तैयारी यह दर्शाती है कि भाजपा में काबिलियत नहीं, बल्कि चाटुकारिता और कट्टरपंथी बयानबाजी ही पद दिलाने का पैमाना बन चुकी है।

दसौनी ने इसे लोकतंत्र के साथ अन्याय और भाजपा के भीतर पनप रही तानाशाही प्रवृत्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ मानती है और प्रदेश की जनता को इस "राजनीतिक नौटंकी" से आगाह करती है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष मुख्यमंत्री ने किया इसरो और..

अपना स्पेस स्टेशन बनाने एवं 2040 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने का है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित भारत अवश्य बनेगा।

निदेशक राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र डॉ. प्रकाश चैहान ने कहा कि आज हमारे जीवन में हर समय अंतरिक्ष डाटा का प्रयोग हो रहा है। अंतरिक्ष में सेटेलाइट हमें जीपीएस नेविगेशन के साथ कई तरह के अपडेट देते हैं। उत्तराखंड में हमने पशुधन का डाटा ऑनलाइन किया था। ऋषिगंगा, चमोली आपदा के दौरान हमने सेटेलाइट के माध्यम से मेपिंग की और डेटा तैयार किया, जिसका प्रयोग बाद में राष्ट्रीय नीति में भी किया गया। पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट में इस डाटा का इस्तेमाल किया गया। अर्थ ऑब्जर्वेशन, सेटेलाइट संवाद एवं सेटेलाइट नेविगेशन ने पूरी तरह से हमारे जीवन को बदलने का काम किया है। उत्तराखंड में आपदाओं के दौरान मैपिंग, वन संरक्षण एवं वनाग्नि की मैपिंग के क्षेत्र में सेटेलाइट डेटा का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्लेशियर लेक की मॉनिटरिंग, बाढ़, बादल फटने जैसी घटनाओं के पूर्वानुमान का भी काम किया जा रहा है। मुख्य सचिव आंनद बर्द्धन ने कहा कि उत्तराखंड में अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी को अपनाने और इसके लिए स्थाई वैज्ञानिक अधोसंरचना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्य सचिव ने इसरो से राज्य के कुछ साइंस सेंटर को गोद लेने तथा से कार्टोसेट के 50 सेमी या इस तरह के रिजोल्सयूशन की उपलब्ध इमेजरी को रिलय टाईम व गैर व्यावसायिक आधार पर राज्य को उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर.मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, नितेश झा, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत एवं वैज्ञानिक

## प्रथम पृष्ठ का शेष महेंद्र भट्ट बने भारतीय जनता .

भट्ट का राजनीतिक करियर 1991 में शुरू किया था। 1991 से 1996 तक महेंद्र भट्ट एबीवीपी यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सहसचिव रहे। 1994 से 1998 तक वो एबीवीपी में टिहरी विभाग के विभाग संगठन मंत्री के पद पर रहे। इस दौरान किए गए उनके कार्यों को देखते हुए पार्टी ने 1998 में भट्ट को बीजेपी युवा मोर्चा का सचिव बनाया।

बीजेपी युवा मोर्चा सचिव पद के बाद महेंद्र भट्ट राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ते चले गए। 2000-2002 तक वो बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव रहे। इसके बाद उन्हें 2002-04 तक बीजेपी युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष रहने का अवसर मिला। महेंद्र भट्ट की राजनीतिक पारी ने तब बड़ा उछाल मारा। जब पार्टी ने राज्य के पहले विधानसभा चुनाव में महेंद्र भट्ट को विधायक का टिकट दिया। भट्ट 2002 में नंदप्रयाग से बीजेपी विधायक चुने गए। इस बीच कुछ असफलताओं के बीच 2017 में उन्होंने बदरीनाथ विधानसभा सीट से विजय हासिल की।

## चाय बागान की जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक बरकरार

**नैनीतान,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** हाईकोर्ट ने देहरादून में चाय बागान की जमीन की खरीद-फरोख्त के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ ने पूर्व में लगी रोक को जारी रखते हुए सरकार से जवाब पेश करने को कहा है।

याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि पूर्व में भी कोर्ट ने सरकार को जवाब पेश करने का समय दिया था, लेकिन अभी तक जवाब पेश नहीं किया गया। इसलिए खरीद फरोख्त पर लगी रोक को आगे बढ़ाया जाये और सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश दिए जाएं। देहरादून के विकेश सिंह नेगी ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर सरकार में निहित जमीन को खुर्द बुर्द करने का आरोप लगाया है। जनहित याचिका में कहा गया कि राजा चंद्र बहादुर सिंह की जमीन जो सर प्लस लैंड है, उसको 1960 में सरकार में निहित करा जाना था, लेकिन लाड़पुर, नथनपुर और रायपुर समेत अन्य जमीन को भूमाफियाओं द्वारा बेचा जा रहा है। याचिका में कहा गया कि करीब 350 बीघा जमीन की खरीद फरोख्त पर रोक लगाई जाए, ये जमीन सरकार तत्काल अपने कब्जे में ले और जमीन खरीदने और बेचने वालों पर कार्रवाई हो. बता दें कि उत्तराखंड में इससे पहले भी अतिक्रमण और सरकारी जमीनों पर कब्जा करने के लिए कई मामले सामने आ चुके है। सरकार की तरफ से भी लगातार अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

## बरसात में आपदा से निपटने के लिए देहरादून प्रशासन ने कसी कमर

### -जिले के 4 स्थानों पर एक साथ मॉक अभ्यास कर परखी तैयारी

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** बरसात के सीजन में बाढ़, जल भराव, भूस्खलन एवं संभावित आपदाओं से निपटने के लिए सोमवार को देहरादून जिला प्रशासन ने चार अलग-अलग स्थानों पर एक साथ मॉक अभ्यास कर अपनी तैयारियों को परखा। यह अभ्यास त्रिवेणी घाट ऋषिकेश, केशवपुर बस्ती डोईवाला, शक्ति नहर विकासनगर और सपेरा बस्ती अधोईवाला देहरादून में किया गया। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र में सुबह 9:00 बजे ऋषिकेश, डोईवाला, विकासनगर और अधोईवाल में भारी बरसात के कारण बाढ़, जलभराव और कुछ लोगों के डूबने की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने तत्काल जिला एवं तहसील स्तर पर इंसीडेंट रिस्पोंस सिस्टम को सक्रिय करते हुए सभी नोडल अधिकारियों को तत्परता से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम केके मिश्रा ने एनआईसी में स्थापित कंट्रोल रूम पहुंचकर आईआरएस की कमान सभाली। इस दौरान एडीएम कंट्रोल रूम से चारों घटना स्थलों पर रेस्क्यू कार्यो का पल-पल अपडेट लेते रहे। उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रूहेला, आपदा सचिव विनोद कुमार सुमन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी रेस्क्यू ऑपरेशन को लाइव ऑब्जर्व कर रहे थे।

ऋषिकेश त्रिवेणी घाट में नदी का जल स्तर बढ़ने से एक व्यक्ति के बहने की सूचना प्रसारित की गई। ऋषिकेश तहसील प्रशासन की आईआरएस टीम के रेस्क्यू दल ने तत्काल मौके पर पहुंच कर बचाव कार्य शुरू किया। नदी में डूबते व्यक्ति को एनडीआरएफ व जल पुलिस द्वारा रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया। रेस्क्यू टीम ने नदी किनारे से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाते हुए नदी के बहाव से दूर रहने की सूचना भी प्रसारित की गई। वहीं दूसरी घटना में सोंग नदी का जल स्तर बढ़ने से डोईवाला केशवरपुर बस्ती के 03 घरों में पानी भरने और क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित होने की सूचना पर डोईवाला तहसील प्रशासन की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए। बचाव दलों ने घटना स्थल से प्रभावित लोगों को रेस्क्यू कर राहत केंद्र पहुंचा। राहत शिविर में प्रभावित लोगों की प्राथमिक उपचार के साथ भोजन, पानी एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।

तीसरी घटना में विकासनगर के शक्ति नहर में 03 लोगों के बहने की सूचना पर तहसील प्रशासन की आईआरएस टीम ने सक्रियता से रेस्क्यू टीमें मौके के लिए रवाना किया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और जल पुलिस की मदद से 03 घायलों को नहर से रेस्क्यू कर चिकित्सा उपचार हेतु 108 से अस्पताल पहुंचाया। चैथी घटना अधोईवाला स्थित सपेरा बस्ती में लोगों के घरों में बरसात का पानी भरने, एक मकान क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर तहसील स्तर पर आईआरएस ने तत्परता से रेस्क्यू टीमें गठित कर घटनास्थल के लिए रवाना किया और प्रभावित लोगों को निकालकर राहत केंद्र में विस्थापित किया। घटना स्थलों पर सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया गया। अपर जिलाधिकारी कंट्रोल रूम से चारों घटना स्थलों पर राहत एवं बचाव कार्यो की पल-पल निगरानी कर रहे थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी घटना स्थलों पर क्षति आकलन करते हुए इसकी रिपोर्ट कंट्रोल रूम को दी गई। मॉक अभ्यास में शामिल रेस्क्यू टीमों को इंसीडेंट कमांडर द्वारा ब्रीफ किया गया और मॉक अभ्यास को समाप्त किया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मॉक अभ्यास सफल रहा। उन्होंने कहा अभ्यास मनुष्य को परिपूर्ण बनाता है। आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यो का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन के लिए पूर्वाभ्यास आवश्यक है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

**प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा**

**संपादकः संदीप शर्मा**

**सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास**

**संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी**

**अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की**

**अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की**

**ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल**

**Email.**
**indiawarta@gmail.com**
**indiawarta@rediffmail.com**
**Web Site**
**www.indiawarta.com**
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M-7500471414,7500581414

**नोट**– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

# धामी सरकार के नेतृत्व में उत्तराखण्ड बन रहा है फार्मा हब

## सरकार फार्मा उद्योग के साथ है, लेकिन औषधियों की गुणवत्ता से नहीं किया जाएगा कोई समझौता: डॉ आर राजेश कुमार

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** उत्तराखण्ड को भारत का फार्मा हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय, देहरादून में एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में बुलाई गई थी। बैठक की अध्यक्षता अपर आयुक्त, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा राज्य औषधि नियंत्रक श्री ताजबर सिंह जग्गी ने की। बैठक में प्रदेश की 30 से अधिक दवा निर्माता इकाइयों के प्रतिनिधि, प्रबंध निदेशक, औषधि विनिर्माण एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य था – राज्य में हाल ही में सामने आए अधोमानक औषधियों के मामलों की समीक्षा, औषधि गुणवत्ता की स्थिति का विश्लेषण, और औद्योगिक प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उठाए जा सकने वाले ठोस कदमों पर चर्चा।

निर्माताओं ने जताई चिंता-बिना जांच ड्रग अलर्ट से उद्योग की छवि पर असर

समीक्षा बैठक में उपस्थित दवा

निर्माताओं ने सी.डी.एस.सी.ओ. (CDSCO) द्वारा जारी किए जा रहे ड्रग अलर्ट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि कई बार बिना जांच की प्रक्रिया पूरी किए, ड्रग अलर्ट सार्वजनिक पोर्टल पर डाल दिए जाते हैं, जिससे फर्म की साख और राज्य की छवि दोनों को नुकसान पहुंचता है। एक उदाहरण के तौर पर कूपर फार्मा के Buprenorphine Injection का ज़िक्र किया गया, जिसे अधोमानक और स्प्यूरियस घोषित किया गया था। बाद में जांच में पाया गया कि वह दवा उत्तराखण्ड की फर्म द्वारा बनाई ही नहीं गई थी, बल्कि बिहार में अवैध रूप से तैयार की गई थी। ऐसे मामलों में उत्तराखण्ड की कंपनियों को बिना किसी दोष के दोषी मान लिया जाता है, जो उद्योग और निवेश दोनों के लिए नकारात्मक संकेत देता है। कंपनियों ने यह भी कहा कि जब कोई नमूना अधोमानक पाया जाता है, तब औषधि अधिनियम की धारा 18( ) के अंतर्गत प्रारंभिक जांच और नमूने की सत्यता की पुष्टि अनिवार्य है। इसके बाद धारा 25(3) के तहत निर्माता को उस रिपोर्ट को चैलेंज करने का अधिकार होता है। परंतु जब तक रिपोर्ट और सैम्पल समय पर नहीं दिए जाते, तब तक यह अधिकार केवल कागज़ों तक ही सीमित रह जाता है।

सरकार ने दी स्पष्ट चेतावनी-गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं

बैठक में राज्य औषधि नियंत्रक श्री ताजबर सिंह जग्गी ने सभी दवा निर्माता कंपनियों को दो टूक कहा कि सरकार उद्योग के साथ है, लेकिन औषधियों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की दवा इकाइयों की छवि पूरे देश में बहुत सकारात्मक है और इसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों को अपने-अपने प्लांट्स में GMP (Good Manufacturing Practices) का कड़ाई से पालन करने, प्रोडक्शन की हर स्टेज पर रिकॉर्ड रखने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा।

**फार्मा सेक्टर को मिलेगा और मज़बूत समर्थन**

बैठक में मौजूद दवा निर्माताओं ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार प्रकट किया और कहा कि धामी सरकार की पारदर्शी और उद्योग समर्थक नीतियों के कारण उत्तराखण्ड आज देशभर में निवेशकों की पसंद बन रहा है। कंपनियों ने भरोसा जताया कि अगर यही रुख बरकरार रहा तो आने वाले वर्षों में उत्तराखण्ड भारत का सबसे बड़ा फार्मा क्लस्टर बन सकता है।

**अधोमानक दवा और अवैध गतिविधियों पर कड़ा रुख**

समीक्षा बैठक में यह तय किया गया कि जो लोग अधोमानक दवाएं बनाकर राज्य की प्रतिष्ठा खराब कर रहे हैं, उन पर कानूनी कार्रवाई में कोई ढील नहीं बरती जाएगी। विभाग द्वारा ऐसे मामलों की जांच की जा रही है, और दोषी पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व स्तरीय गुणवत्ता पर पूरा फोकस

राज्य के स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त खाद्य संरक्षा व औषधि प्रशासन, डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा हमारा दृढ़ लक्ष्य है कि आने वाले कुछ वर्षों में उत्तराखंड फार्मा हब के रूप में उभरे। इस दिशा में हम न केवल मौजूदा औषधि निर्माण इकाइयों के विस्तार पर काम कर रहे हैं, बल्कि नए निवेश, उद्योगों के लिए सुविधाजनक नीतियाँ और उच्च गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र तैयार कर रहे हैं। डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि उत्तराखंड में फिलहाल लगभग 285 फार्मा यूनिट्स सक्रिय हैं, जिसमें से 242 यूनिट्स डब्लूएचओ से सर्टिफाइड हैं। देश में उत्पादित कुल दवाओं का लगभग 20ब हिस्सा उत्पादन करती हैं और ये फार्मा कंपनियां देश-विदेश को महत्वपूर्ण मात्रा में निर्यात भी कर रही हैं । उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में देहरादून में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की सहयोग से स्थापित एक उच्च-तकनीकी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया, जिसमें दवाओं के साथ-साथ मेडिकल उपकरण और कॉस्मेटिक सैंपल्स की भी परीक्षण की व्यवस्था की गई है । इस प्रयोगशाला को शीघ्र ही NABL मान्यता भी प्राप्त होगी, जिससे यहां के रिपोर्ट्स का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य मानक बन जाएगा। डॉ. राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि राज्य में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अधोमानक औषधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

**उत्तराखण्ड गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उभरता ग्लोबल सेंटर**

वर्तमान में उत्तराखण्ड की औषधि इकाइयों से भारत के 15 से अधिक राज्यों और 20+ देशों को दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। राज्य में स्थित फार्मा कंपनियां WHO-GMP, ISO, और अन्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्य कर रही हैं।धामी सरकार का ध्यान सिर्फ कारोबार को बढ़ावा देने पर ही नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने पर है कि यहां की दवाएं विश्व स्तरीय गुणवत्ता के मानकों पर खरी उतरें।

# कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

**इंडिया वार्ता ब्यूरो**

**देहरादून ।** कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ी कैंट क्षेत्र के बनिया बाजार, बीरपुर और विवेक विहार, जाखन का दौरा कर विगत दिवस हुई मूसलाधार बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मसूरी मुख्य मार्ग पर मालसी पुल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। बनिया बाजार, बीरपुर में निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने मंत्री को बताया कि हर वर्ष बरसात में नाले का पानी घरों में घुस जाता है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस पर मंत्री जोशी ने सेना स्टेशन मुख्यालय और छावनी परिषद को निर्देश दिए कि बरसाती पानी की निकासी हेतु एक समुचित योजना बनाई जाए और उसका शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने प्रभावित परिवारों को तात्कालिक सहायता राशि के चेक भी वितरित किए। जिसमें रेखा भण्डारी, वीर बहादुर गुरुंग, कुसुम वर्मा, मोहिनी शाही, गुम बहादुर गुरुंग, रितिका कनोजिया, अतुल कुमार मिश्रा, दल बहादुर क्षेत्री तथा पूजा शर्मा को प्रत्येक को रुपये 5000 की त्वरित सहायता राशि दी गयी। इसकी अतिरिक्त, मंत्री ने अपने निजी सहयोग से प्रभावित परिवारों को तिरपाल प्रदान की ताकि बारिश के दौरान भू-कटाव से मदद हो सके। इसके बाद मंत्री गणेश जोशी दून विहार वार्ड के विवेक विहार पहुंचे, जहां तेज बारिश के कारण पुश्ता क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने मौके पर तहसील, नगर निगम के अधिकारियों को नाला की त्वरित सफाई एवं पुश्ते के पुनर्निर्माण के निर्देश दिए। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने दो प्रभावित परिवारों को तात्कालिक सहायता राशि के चेक भी वितरित किए। जहां किशन थापा तथा अशरफ अली को रुपये 11500 की त्वरित सहायता प्रदान की गयी।

काबीना मंत्री गणेश जोशी ने निरीक्षण के क्रम में मसूरी रोड़ स्थित मालसी पुल का भी जायजा लिया, जो तेज बारिश के कारण एक तरफ से क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने मौके पर उपस्थित अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा सहित लोनिवि के अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि यह देहरादून मसूरी मार्ग एक अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिस पर यात्रियों की आवाजाही हमेशा बनी रहती है। उन्होंने मालसी में नए पुल के निर्माण के लिए आंगणन और डीपीआर शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ किया जा सके और आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न हो।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आपदा की स्थिति में पीड़ितों को त्वरित राहत और दीर्घकालिक समाधान मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि समय रहते राहत और बचाव कार्य किए जा सकें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं प्रदेश के हर क्षेत्र की जानकारी ले रहे हैं।

## पाठको के लिए

**मान्यवर पाठकगण**

**१.** दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

**२.** समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

**३.** नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

**४.** व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

**सम्पादक**

**दैनिक इंडिया वार्ता**

**कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।**

दूरभाष: 7500581414,9359555222

# कच्ची, देशी व अंग्रेजी शराब सहित तीन गिरफ्तार

**देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो ।** अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए आबकारी टीम ऋषिकेश व प्रवर्तन दल द्वारा अलगकृअलग स्थानों पर छापेमारी कर तीन लोगों को कच्ची, देशी व अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आबकारी टीम ऋषिकेश एवं जनपदीय प्रवर्तन दल देहरादून टीम द्वारा ऋषिकेश क्षेत्र के चंद्रभागा एवं चंद्रेश्वर नगर में शराब बिक्री की सूचना पर छापेमारी करके 1 पेटी देसी शराब माल्टा के साथ रमिता निवासी चंद्रेश्वर नगर एवं डेढ़ पेटी विदेशी शराब कमलेश जोशी निवासी चंद्रभागा से बरामद की गई। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया।वहीं दूसरी आबकारी टीम ऋषिकेश द्वारा देर रात मनसा देवी ऋषिकेश क्षेत्र में 56 पाउच के भीतर भरी 84 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। आरोपी मनसा देवी गुमानीवाला निवासी अमरजीत कौर पत्नी इंदर सिंह के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। छापेमारी करने वाली टीम में आबकारी निरीक्षक प्रेरणा बिष्ट, उप आबकारी निरीक्षक उमराव राठौर, प्रधान आबकारी सिपाही, अर्जुन सिंह, आशीष प्रकाश, हेमंत, राकेश, दीपा ,आशीष चैहान सम्मिलित रहे।